देवदूत बने जवान

बचाव कार्य में तेजी, हजारों सुरक्षित निकाले गए

- 40 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में चल रहा अभियान
- सैन्य बलों के 12,000 जवान लगे हैं बचाव में
- 200 स्पेशल फोर्स के जवान केदारघाटी में उतरे
- सेना के मुताबिक अब भी फंसे हैं 12,512 लोग
- 16 हजार से ज्यादा यात्री रुद्रप्रयाग से निकाले गए
- केदारघाटी से 581 लोगों को फाटा पहुंचाया गया
- चमोली में फंसे 700 लोग हेलीकॉप्टर से निकाले

अमर उजाला ब्यूरो

रुद्रप्रयाग/देहरादून। बेहिसाब मौतों की आशंका और हजारों पीड़ितों की सिसकियों के बीच शुक्रवार को उत्तराखंड के आपदाग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य युद्धस्तर पर चला। रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी में भूखे-प्यासे फंसे हजारों लोग सुरक्षित निकाले गए। सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ के जवान तो देवदूत बनकर उतरे। लगभग 12 हजार जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को बचाने में ताकत झोंक दी। आपदा प्रभावित 40 हजार वर्ग किलोमीटर में केवल सेना ने शुक्रवार को छह हजार यात्री सुरक्षित निकाले। सेना के मुताबिक अब भी 12,512 लोग फंसे हुए हैं। इन्हें शनिवार को निकाला जाएगा।

रुद्रप्रयाग में फंसे 16 हजार तीर्थयात्रियों को गुप्तकाशी से मयाली-घनसाली मोटर मार्ग होते हुए ऋषिकेश पहुंचाया गया। सर्वाधिक प्रभावित केदारघाटी में फंसे 2081 लोगों को सेना, आईटीबीपी और एनडीआरएफ के जवानों ने निकाला। इनमें केदारनाथ, गरुड़चट्टी और गौरीकुंड से 581 लोगों को हेलीकाप्टर से फाटा पहुंचाया गया। गौरीकुंड में फंसे 1500 लोगों को पैदल सोनप्रयाग पहुंचाया गया। सेना ने केदारघाटी में 200 स्पेशल फोर्स के जवान उतारे। केदारघाटी के गौरीकुंड, जंगलचट्टी, गरुड़चट्टी और घिनुरपाणी में अब भी भूख-प्यास और बीमारी से बेहाल 1500 लोग फंसे बताए गए हैं। शुक्रवार को कुछ डॉक्टर भी केदारनाथ पैदल मार्ग पर गरुड़चट्टी और गौरीकुंड में हेलीकॉप्टर से उतारे गए हैं। उधर, हरिद्वार में अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। करीब दस शव विभिन्न इलाकों में फंसे हैं।

कुदरत के कहर के बाद केदारनाथ धाम की पहली जमीनी तसवीर। ग्राउंड जीरो की हकीकत दिखाती तसवीरें अमर उजाला को उपलब्ध हुईं। मंदिर के आस-पास का पूरा इलाका तहस-नहस है। मंदिर के बाहर का चबूतरा मलबे में दब गया है। दरवाजे पर नंदी की मूर्ति भी खंडित हो गई है। चारों और बड़े-बड़े पत्थर गिरे हैं। **और फोटो देखें www.amarujala.com पर।**

रेलवे भी मदद को आगे आया

एयर इंडिया ने उत्तराखंड में फंसे लोगों के लिए अपने बेसिक किराए में 50 फीसदी की छूट की घोषणा की है। एयरलाइंस देहरादून से अतिरिक्त उड़ानें भी शुरू करेगी। पवन हंस ने अपने तीन हेलीकॉप्टरों को राहत कार्य में लगाया है। वहीं, रेलवे फंसे लोगों को निकालने के लिए विशेष ट्रेनें चलाएगा। पीड़ितों को देहरादून और हरिद्वार से उनके घरों तक निशुल्क पहुंचाया जाएगा।

भाजपा और कांग्रेस आगे बढ़ीं

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने सभी पार्टी सांसदों और विधायकों से एक महीने का वेतन उत्तराखंड में राहत कार्यों के लिए दान करने को कहा है। वहीं, भाजपा अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे फंसे लोगों की मदद के लिए राहत कोष में दिल खोल कर दान दें।

डीएनए से होगी पहचान

उत्तराखंड में मारे गए लोगों के शव नदियों में बहकर उत्तर प्रदेश तक पहुंच रहे हैं। प्रदेश की नदियों से कई अज्ञात शव मिले हैं। इनकी पहचान के लिए प्रदेश पुलिस ने अपने सभी जिला प्रमुखों को इन शवों के डीएनए सैंपल संरक्षित करने को कहा है।

और चाहिए हेलीकाप्टर

भयावह आपदा को देखते हुए 45 हेलीकॉप्टर और अन्य विमानों की मदद से हो रही कोशिशें फिलहाल नाकाफी साबित हो रही हैं। सेना की मध्य कमान के जीओसी इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चैत ने भी कहा है कि फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए सेना को और हेलीकॉप्टरों की जरूरत है।

अब तक

34,000 लोगों को अब तक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है

12,500 से अधिक लोग अब भी विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए हैं

207 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है अब तक

43 विमान लगे हैं राहत व बचाव कार्य में सेना और वायुसेना के

207 मोबाइल टावरों को चालू करने के प्रयास किए जा रहे हैं

बहुगुणा सरकार से कांग्रेस नेतृत्व खफा

नई दिल्ली (ब्यूरो)। आपदा प्रबंधन में बहुगुणा सरकार जिस तरह से नाकाम रही है और मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर राज्य प्रशासन का जो लचर रवैया सामने आया है, उससे कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व बेहद खफा है। सीएम की मंत्रियों, विधायकों से संवादहीनता देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने मोतीलाल वोरा के नेतृत्व में राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए कुछ नेताओं को देहरादून भेजा है।

विस्तृत पेज18 पर

देखें पेज- 14, 15, 18